श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव (आईएएस) सचिव-राजभाषा, भारत सरकार की उपस्थिति में मुंबई (उपक्रम) नराकास की 57वीं बैठक सम्पन्न

मुंबई (उपक्रम) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मुकेश कुमार सुराणा की अध्यक्षता में मुंबई स्थित सार्वजनिक उपक्रमों की नगर राजभाषा

कार्यान्वयन समिति की 57वीं बैठक 18 जुलाई, 2016 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के सेंट्रम हॉल, कफ परेड, मुंबई में संपन्न हुई। बैठक में भारत सरकार के सचिव-राजभाषा, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बैठक में अन्य उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उपस्थित थे जिसमें मुंबई रेलवे विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रभात सहाय, भारतीय साधारण बीमा निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुश्री एलिस वैद्यन, न्यूक्लियर पावर कॉपोरेशन इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री सतीश कुमार शर्मा, एससीआई के निदेशक-लाइनर एवं पैसेंजर सर्विस, कैप्टन एस. नरूला, माझगांव डॉक लिमिटेड के निदेशक-समवाय आयोजना एवं कार्मिक, कोमोडोर राकेश आनंद, राजभाषा विभाग-पश्चिम क्षेत्र की उप निदेशक (कार्यान्वयन) डॉ. सुनीता यादव, सचिव महोदय एवं हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मंच पर विराजमान थे। इस अवसर पर सदस्य कार्यालयों के अनेकानेक कार्यकारी निदेशक, मुख्य कार्यपालक सहित राजभाषा विभाग-पश्चिम क्षेत्र हिन्दी शिक्षण योजना और केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के पदाधिकारियों सहित कुल 160 प्रतिभागी उपस्थित थे। बैठक में नराकास की गतिविधियों की प्रदर्शनी भी लगाई गयी थी।

मुंबई (उपक्रम) नराकास-सचिव, श्री राम विचार यादव ने नराकास की 57वीं बैठक में उपस्थित सभी का स्वागत किया और नराकास की गतिविधियों, टॉलिक विजन, नराकास वेबसाइट एवं 1983 से अब तक एचपीसीएल द्वारा नराकास के तत्वावधान में आयोजित गितिविधियों एवं वर्ष 2015-16 के दौरान आयोजित गतिविधियों का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया। तत्पश्चात, वर्ष 2015-16 के दौरान नराकास के सदस्य कार्यालयों द्वारा उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु (दो समूह

में- 300 से अधिक और 300 से कम कर्मचारी वर्ग) एवं सर्वोत्कृष्ट गृह पत्रिका के लिए टॉलिक पुरस्कार सचिव-राजभाषा, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव (आईएएस) तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मुकेश कुमार सुराणा के करकमलों से सम्मानित किया गया। टॉलिक की गतिविधियों एवं पिछली बैठक के आयोजन हेतु विशेष सहयोग प्रदान करने के लिए आरसीएफ के कार्यकारी निदेशक-मासं, श्री देशपांडे को उनकी सेवानिवृत्ति पर शॉल, पुष्प एवं पुस्तक से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुंबई (उपक्रम) नराकास के सभी 63 कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख, राजभाषा प्रभारी एवं राजभाषा अधिकारी की टेलीफोन निर्देशिका के पॉकेट पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। साथ ही साथ सभी सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारियों का एक वाट्स एप्प ग्रुप तैयार किया गया जिसका शुभारंभ सचिव, महोदय के स्वागत संदेश से किया गया।

बैठक में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग (पश्चिम क्षेत्र) से उपस्थित डॉ.सुनीता यादव (कार्यान्वयन), डॉ. विश्वनाथ झा (हिन्दी शिक्षण योजना) एवं श्री नरेश कुमार (केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो) ने भी सदस्यों कार्यालयों की रिपोर्ट की समीक्षा की एवं अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर मुंबई रेलवे विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रभात सहाय ने कहा कि हिन्दी भाषा में विभिन्न वेरिएंट है फिर भी राजभाषा हिन्दी हमारी राजकाज की भाषा के साथ हमारी संवैधानिक अपेक्षा भी है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री मुकेश कुमार सुराणा ने कहा कि मुंबई उपक्रम टॉलिक के तत्वावधान में विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें कई अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं निदेशक स्वयं उपस्थित रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से अब हमारे उपक्रमों में हिन्दी व्यवसाय का मुख्य हिस्सा बनती जा रही है। सचिव महोदय को बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने के लिए धन्यवाद दिया तथा सदस्य उपक्रमों से अनुरोध किया कि वे संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करते हुए इसे व्यावसायिक भाषा बनाने का प्रयास करें।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सचिव-राजभाषा, भारत सरकार, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव (आईएएस) ने कहा कि देश में सार्वजनिक उपक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका है और ग्राहकों तक पहुंचने के लिए हिन्दी एक सशक्त माध्यम है। टॉलिक के माध्यम से हम एक दूसरे के काम को समझते हैं और एक दूसरे के काम को साझा करते है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश में कुल 436 टॉलिक है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में हमारे विभाग द्वारा विभिन्न ऑनलाइन सुविधाएं प्रदान की जा रही है जिसका आप ज्यादा से ज्यादा उपयोग अपने कार्यालयीन कार्य में करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्यालय प्रमुख टॉलिक की बैठकों में स्वयं उपस्थित रहें और लिए गए निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने राजभाषा कीर्ति पुरस्कार को बढ़ाये जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई (उपक्रम) नराकास की बैठक में यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है कि मुंबई (उपक्रम) नराकास अच्छा काम कर रही है जिसके लिए उन्होंने अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री मुकेश कुमार सुराणा तथा सदस्य-सचिव, श्री राम विचार यादव के कार्य एवं प्रयासों की प्रशंसा की।

सचिव-राजभाषा की विशेष उपस्थिति में आयोजित नराकास की यह 57वीं बैठक हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए मील का पत्थर साबित होगी तथा सदस्य उपक्रमों के बीच राजभाषा कार्यान्वयन को तीव्र गति प्रदान करेगी। बैठक के आयोजन में एचपीसीएल टीम राजभाषा का विशेष योगदान रहा।

(बैठक का कार्यवृत्त अलग से भेजा जाएगा।) -सदस्य सचिव, मुंबई (उपक्रम) नराकास